

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 18 जुलाई, 2023

### आंध्र प्रदेश में मच्छर नियंत्रण के लिये जल नकियों में गंबूसिया मछली छोड़ी गई

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में मच्छर जनति बीमारियों से निपटने के लिये राज्य के जल नकियों में लगभग 10 मिलियन गंबूसिया मछलियाँ (जसिे **मॉस्कटोफिश** भी कहा जाता है) छोड़ी गई हैं। इससे जलीय मूल प्रजातियों और पारस्थितिकी तंत्र संतुलन को होने वाले संभावित नुकसान को लेकर चिंता जताई जा रही है। मूलतः **दक्षिणपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका में पाई जाने वाली** गंबूसिया मछली प्रतिदिन 100 से 300 मच्छरों के लार्वा/अंडे खा सकती है। **मच्छर के लार्वा/अंडे** को नियंत्रित अथवा सीमित करने के लिये इस मछली का व्यापक उपयोग एक जैविक अभिकारक के रूप में किया जाता है, साथ ही एक **आक्रामक वदेशी प्रजाति** होने के नाते इसकी प्रभावशीलता और अनपेक्षित परिणामों को लेकर विवाद चलता रहता है। **अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ** ने गंबूसिया को विश्व की **100 सबसे खराब आक्रामक वदेशी प्रजातियों में से एक घोषित किया** है। भारत सहित कई देशों ने गंबूसिया को **आक्रामक प्रजातियों के रूप में सूचीबद्ध** किया है। हालाँकि यह मछली देश के मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा बनी हुई है और **इसे आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश जैसे देश भर के राज्यों के मीठे जल नकियों में छोड़े जाने का काम जारी है।**



### अवध के अंतमि बादशाह नवाब वाजदि अली शाह को श्रद्धांजलि

कोलकाता **अवध** के अंतमि बादशाह नवाब वाजदि अली शाह के **द्वशिताब्दी वर्ष** का जश्न मनाने के लिये पूरी तरह तैयार है, जनिहें **आंरेज़ों ने अपदस्थ** कर दिया था और कोलकाता के **उपनगर मेटियाबुरुज़ में नरिवासति** कर दिया था, जहाँ उन्होंने अपने अंतमि वर्ष बिताए थे। नवाब वाजदि अली शाहकला, संगीत, नृत्य, कविता और व्यंजनों के **अच्छे पारखी थे तथा उन्होंने अपने दरबार में कई कलाकारों का समर्थन किया**। हालाँकि वाजदि अली शाह का उपनाम **"कैसर"** था, उन्होंने अपनी कई रचनाओं के लिये छद्म नाम **"अख्तरपिया"** का इस्तेमाल किया।



## CRCS-सहारा रफिंड पोर्टल

सहकारिता मंत्रालय नई दिल्ली में 'CRCS-सहारा रफिंड पोर्टल' का उद्घाटन करेगा जो सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्त्ताओं की शिकायतों को हल करने की दृष्टि में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इस समर्पित पोर्टल का लक्ष्य रुपए की संवर्धन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार "सहारा-SEBI रफिंड खाते" से 5000 करोड़ रुपए सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार (CRCS) को हस्तांतरित कर दिये गए हैं। वास्तविक जमाकर्त्ता अब इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने दावे जमा कर सकते हैं। सहकारी समितियाँ राज्य के अधिकार क्षेत्र द्वारा शासित होती हैं जो अनेक राज्यों में संचालित होती हैं। ये बहु-राज्य सहकारी समिति (MSCS) अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत होती हैं तथा इनका प्रशासनिक एवं वित्तीय नियंत्रण केंद्रीय रजिस्ट्रार के अधीन होता है।

और पढ़ें... [सहकारी समितियाँ](#)

## रूस द्वारा ब्लैक सी ग्रेन पहल को रोकने से वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर असर

रूस द्वारा ब्लैक सी ग्रेन पहल में हालिया रोक ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जुलाई 2022 में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की की मध्यस्थता से हुए इस नरिणायक समझौते ने यूक्रेन को अफ्रीका, मध्य पूरव और एशिया के देशों में अनाज भेजने की अनुमति दी। हालाँकि सौदे को नलिंबति करने के रूस के फैसले ने आवश्यक खाद्य आपूर्ति के प्रवाह को बाधित कर दिया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ भुखमरी एक बढ़ता खतरा है और उच्च खाद्य कीमतों ने पहले से ही अधिक लोगों को गरीबी में धकेल दिया है।

और पढ़ें... [ब्लैक सी ग्रेन पहल](#)